एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

सोमवार, 3 अगस्त 2026, वर्ष 7,



# रुपये नहीं, रिश्तों व मानवीय संवेदनाओं को दें अहमियत

नाटक दुलारी बाई का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● रिद्धिमा में नाटक दुलारी बाई का किया गया मंचन

**अमृत विचार :** एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम मणिमधुकर लिखित हास्य व्यंग से भरपूर नाटक 'दुलारी बाई' का मंचन हुआ। विनायक कुमार श्रीवास्तव निर्देशित यह नाटक धन-लोलुपता, स्वार्थ और सामाजिक विडम्बनाओं पर गहरी चोट करता है। केंद्रीय पात्र दुलारी बाई अपने कंजूस और स्वार्थी स्वभाव के कारण अनेक हास्यास्पद परिस्थितियों में उलझती है। नाटक धन से अधिक महत्वपूर्ण मानवीय संवेदनाओं और रिश्तों का संदेश देता है।

कल्लू भांड और दुलारी बाई के चुटीले संवाद से नाटक आरंभ होता है। नाटक का अंत दर्शकों को चौंका देता है। सभी कलाकारों ने अपने अभिनय से आखिर तक दर्शकों को बांधे रखा। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति , आशा मूर्ति , ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, उषा गुप्ता, सुभाष मेहरा, डा. एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा. शैलेश सक्सेना, डा. रीता शर्मा व अन्य मौजूद रहे।